YAG LASER CAPSULOTOMY - AFTER CATARACT
लेजर से झिल्ली को काटना

मोतियाबिंद के ऑपरेशन में कृत्रिम लैन्स प्रत्यारोपण, प्राकृतिक लैन्स की पीछे की झिल्ली पर किया जाता है, जो कि ऑपरेशन के कुछ समय बाद मोटी हो सकती है, इसकी वजह से नजर कम हो जाती है या धुँधलापन हो सकता है तथा रोशनी के चारों तरफ धब्बे नजर आ सकते हैं।

जब झिल्ली मोटी होने के कारण से मरीज को अधिक परेशानी होती है तो लेजर मशीन के द्वारा (Nd Yag laser) झिल्ली के मध्य में छेद कर दिया जाता है। जिससे केन्द्रीय माध्यम स्वच्छ व वापस पारदर्शी हो जाता है।

ऑपरेशन के बाद की सम्भावित समस्याएँ

1. कृत्रिम लैंस का अपनी जगह से हिल जाना अथवा उसकी सतह पर छेद हो जाना।
2. आँख के तनाव का अधिक हो जाना।
3. आँख के परदे का खिसकना अथवा उसमें सूजन हो जाना।
4. आँख के भीतर संक्रमण का फैल जाना।

उपरोक्त समस्याओं के लिए अतिरिक्त दवाइयों अथवा ऑपरेशन की जरूरत हो सकती है।

लेजर उपचार के अलावा इस झिल्ली को ऑपरेशन के द्वारा भी काटा जा सकता है। इसके लिए आँख को पुनः खोलना पड़ता है।

मुझे यह बताया गया है कि मेरी आँख (दायीं/बायीं) की कृत्रिम लैंस की पीछे की झिल्ली मोटी हो गई है, जिसके लिए मुझे लेजर मशीन द्वारा उपचार की जरूरत है।

मुझे लेजर मशीन उपचार के समस्त लाभ तथा सम्भावित अवांछनीय परिणामों के बारे में बता दिया गया है तथा मैं अपनी मरजी से बिना किसी दबाव के अपनी आँख के लेजर उपचार की सहमति दे रहा हूँ।

मैं (मरीज का नाम) ..... अपनी सहमति दायीं/बायीं आँख का ऑपरेशन हेतु देता हूँ एवं सभी बातों को समझ कर व सभी नुकसान या पूर्ण रूप से रोशनी नहीं आने से सहमत हूँ।

मैंने यह सहमति-पत्र पूर्ण होश-हवास में पढ़/सुन लिया है तथा मैं इससे पूर्णतया सहमत हूँ। मैंने उपरोक्त सभी बातों/स्वयं की शंकाओं का समाधान संबंधित डॉक्टर से प्राप्त कर लिया है व इसके उपरान्त अपनी पूर्ण सहमति प्रस्तुत कर रहा हूँ।

मरीज के हस्ताक्षर

मरीज के रिश्तेदार/गवाह के हस्ताक्षर

संबंधित चिकित्सक के हस्ताक्षर
या चिकित्सालय की मुहर